भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
24.07.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 283 का उत्तर

नई रेलगाड़ियां

283. श्री एम. के. राघवन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बंगलौर-कन्नूर-यशवंतपुर एक्सप्रेस का कालीकट तक विस्तार किए जाने में विलंब पाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार के पास मंगलौर-रामेश्वरम रेलगाड़ी की वर्तमान स्थिति के संबंध में आंकड़े हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने यह पाया है कि कोझीकोड और मालाबार से संबंधित बड़ी संख्या में प्रस्ताव रेलवे बोर्ड की मेज पर लंबित हैं और यदि हां, तो इसमें तेजी लाने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार की कालीकट-बंगलौर, कालीकट-चेन्नई, कालीकट-त्रिवेन्द्रम और कालीकट-मंगलौर क्षेत्रों को जोड़ने वाली और अधिक सेवाएं शुरू करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): वर्तमान में, 4 जोड़ी रेलगाड़ियां चेन्नई सेंट्रल-कोझिकोड खंड, 2 जोड़ी रेलगाड़ियां बेंगलुरु-कोझिकोड खंड, 3 जोड़ी रेलगाड़ियां बेंगलुरु-कन्नूर खंड, 2 जोड़ी वंदे भारत सहित 27 जोड़ी रेलगाड़ियां तिरुवनंतपुरम-कोझिकोड खंड और 47 जोड़ी रेलगाड़ियां मंगलुरु-कोझिकोड खंड में सेवाएं देती हैं। इसके अलावा, क्षेत्रीय रेलवे से प्राप्त प्रस्तावों तथा उचित जांच के बाद रेलगाड़ियों की शुरूआत करना और उनका विस्तार करने सहित उनपर निर्णय, भारतीय रेलवे में एक सतत प्रक्रिया है, जो यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता आदि पर निर्भर करता है।

*****

s.k